श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बांसी

बुंदेलखण्ड की पावन माटी में ललितपुर से 20 किमी दूर स्थित है अतिशय क्षेत्र बांसी। यह क्षेत्र एनएच 26 पर झांसी से 70 किलोमीटर की दूरी पर है। लगभग 250 वर्ष पूर्व यहां करीब 200 जैन परिवार थे परन्तु समय के प्रभाव से समाज के कुछ लोग विस्थापित हो गये तथा कुछ काल-कवलित वर्तमान में मात्र 8 परिवारों की समाज है बांसी में। बांसी जैन समाज के लोग समाज की घटती संख्या से बेहद चिंतित थे। सन् 1988 में संतशिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का यहां आगमन हुआ। मन्दिर जी की प्राचीनता ओर वैभव को देखकर आचार्य श्री ने प्रेरणा दी कि **बांसी वालों बासी रोटी खाकर भी इस प्राचीन धरोहर की रक्षा करना।**

क्षेत्र पर भगवान पार्श्वनाथ की दो अद्भुत चमत्कारिक प्रतिमाएं विराजमान हैं। मूलनायक श्वेत पाषाण की भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा जिसमें सर्प के फण पर मणी बनी हुई है। मणी के कारण प्रतिमा का वैभव कई गुणित हो गया है। प्रतिमा पर कोई प्रशस्ति नहीं है, अनुमान है कि प्रतिमा 1000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। दूसरी प्रतिमा काले पाषाण की भगवान पार्श्वनाथ की हैं जिसमें श्रीजी के मुख पर सफेद निशान है जिसका रंग समय समय पर परिवर्तित होता रहता है। इस प्रतिमा की एक और अनूठी बात है कि इसमें चिन्ह के स्थान पर सर्प की जगह स्वयं भगवान पार्श्वनाथ की मूर्ति अंकित की गई है जिस कारण यह प्रतिमा विश्व में अद्वितिय हो गई है। सन् 1992 में मन्दिर जी से धातु की सारी प्रतिमाएं चोरी हो गई थी लेकिन चोरों की एम्बेसडर गाड़ी के एक साथ तीन टायर पंचर हो गये और वे वहां से दूर नहीं जा पाये सुबह होते ही मूर्तियों सहित पकडे गये।

बांसी निवासियों ने वास्तुकारों से समाज के ह्रास के बारे में चर्चा की तो निष्कर्ष निकला कि मन्दिर का जीर्णोद्धार परम आवश्यक है। 2008 में प0पू0 आर्यिका श्री दृढ़मति माता जी के सान्निध्य में भूमि पूजन हुआ और 7 अप्रैल 2011 में प.पू. मुनिपुगंव 108 श्री सुधा सागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में वेदी का शिलान्यास हुआ।

आज 8 परिवारों की समाज ने संतों के आशीर्वाद से लाल पत्थर का बेजोड़ मन्दिर बनने का निर्णय लिया तथा मन्दिर का कार्य तीव्रगति से चल रहा है। समाज छोटा है परन्तु बड़ी हिम्मत से जैन धरोहर और पुरातत्व को बचाने का कार्य कर रहे हैं।

बांसी क्षेत्र पर पहुंचकर दर्शन करने का सौभाग्य मुझे 15 अगस्त को मिला। समाज की लगनशीलता, कर्मठता, समर्पण और सेवाभाव निश्चय ही प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। प्रतिमाओं के दर्शन मात्र से अद्भुत शांति और ऊर्जा का संचार होता है। क्षेत्र वासियों का कहना है कि यहां से आज तक कोई खाली हाथ नहीं लौटा। ऐसा अदभुत, विलक्षण शाक्ति वाला बांसी क्षेत्र निहार रहा अपने भक्तों की और तथा समाज के सहयोग की बाट जोह रहा है।

पता- श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बांसी जी तहसील तालबेहट जिला ललितपुर (उ०प्र०)

सम्पर्क : सुरेश जैन : ९६२१५२४२७०, विजय जैन : ९६२८०२४७४८ प्रस्तुति : नवनीत जैन